दिन–बुधवार दिनांक– 25/06/2025

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– अपराह्न 02:00 बजे से। अवधिः– 05 मिनट

आज संविधान हत्या दिवस है। यह दिन हमें उन घटनाओं की याद दिलाता है, जब पच्चीस जून उन्नीस सौ पचहत्तर को संविधान का गला घोंटकर देश पर आपातकाल थोप दिया गया था। यह दिन आपातकाल से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने का दिन भी है। संविधान हत्या दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वालों को सलाम किया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि आज आपातकाल के पचास साल पूरे हो रहे हैं जो भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस दिन भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया और मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान देशभर में विभिन्न विचारधारा के लोगों ने भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। श्री मोदी ने संविधान में सिद्धांतों को मजबूत करने और विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आशा जतायी कि देश प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा और गरीबों तथा वंचितों के सपने पूरे करेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आपातकाल कांग्रेस की सत्ता की भूख से प्रेरित अन्याय का युग था। संविधान हत्या दिवस के अवसर पर श्री शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आपातकाल कोई राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं थी, बल्कि यह कांग्रेस और एक व्यक्ति की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का प्रतिबिंब था। उन्होंने कहा कि यह दिन सभी को यह भी याद दिलाता है कि जब सत्ता तानाशाही में बदल जाती है, तो जनता में उसे उखाड़ फेंकने की ताकत होती है। श्री शाह ने इस संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति देने वालों को भी श्रद्धांजलि दी।

————————————————————————————————

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आपातकाल को याद करते हुये इसे तत्कालीन सरकार की तानाशाही का प्रतीक बताया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार ने हमेशा संविधान, न्याय, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय की भावना को अपने विकास का मार्ग बनाया है। उन्होंने लोगों से संविधान के आदर्शों की रक्षा के लिए सदैव सजग और तत्पर रहने की अपील की।

———————————————————————

संविधान हत्या दिवस के अवसर पर कला संस्कृति और युवा विभाग की ओर से प्रदेशभर में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। वहीं, प्रदेश भाजपा की ओर से भी कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

———————————————————————

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित सहायक वास्तुविदों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा समेत राज्य मंत्रिमंडल के कई सदस्य मौजूद थे।

———————————————————————

निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुये आज से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू किया है। कार्यक्रम के तहत बूथ लेवल अधिकारी मतदाता के सत्यापन के लिए घर–घर जाकर सर्वेक्षण कर रहे हैं। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएं ताकि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

———————————————————————

समाप्त